


श्रीमती कैलाश देवी vs. विसू देवचन्द जी
 न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील अधिकारी
 अलवर [राज०]

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही
22-5-2015	<p>पत्तापत्ती पत्रा है। अपील शुरू रिजिस्टर की जाये। हरिद्वी रिपोर्ट को अवलोकित किया गया। पत्तापत्ती का अवलोकित किया। अपील को एडमिशन के स्टेज पर भुक्त गया। अपील को कांतिनन्द न्यायालय उप लण्ड अधिकारी मुन्डावर के ऑफिस दिनांक 4-12-2014 के डिक्लर इन न्यायालय में अपील पत्रा की है। लॉट अदालत के वाड लॉक 306/14 उन्नत कैलाश देवी बनाठ देवचन्द की ऑफिसिका दिनांक 9-10-14 के अवलोकित से जाहिर है कि अपील को अजायगीन के सम्पत्त। तलवाग रजि स्ट्र करकर पत्रा को डेवु निर्देशित किया जाकर आजागी पेशी दिनांक 4-12-2014 तिपत की गई थी। इसके परचान कांतिनन्द न्यायालय उप लण्ड अधिकारी मुन्डावर के दिनांक 4-12-2014 के दिनांक 9-10-14 की फालग से प्रतीकादीगण की तामील नहीं करी के फलानकन नारी का वाड ऑफिस 9 रिपन 5 CPC नान कम्प्लेक्स में तामीज कर दिया, किन्तु विकस्य अपील में भूट अपील पत्रा की है।</p> <p>आप्रीनायक अपीलान्त के एक पक्षीप अहम सुनी गई। अहम पर तनत किया गया। यै कि अचिन्त्य न्यायालय द्वारा पारित ऑफिस फाईनल एडप्युरिडिकेशन नहीं माना जा सकता बल्कि इस प्रकार डिफाल्ट में तामीज वाके के रेस्टोर डार्ड 9 दिनांक 4 CPC के तहत कलमाय जात चालिए था।</p> <p>मतः उपरोक्त विवेचन के साधार पर अपीलार्थीगण द्वारा उन्नत अपील में रेडल नहीं होने से तामीज की जाती है। अपीलान्त इसके लिए तहत अदालत में रेस्टोरेशन की कार्यवाही के लिए स्वतन्त्र रहेगा। पत्तापत्ती केवल शुकार होकर नभर निकत की जाये। वाड तकमील दालिल उन्नतिलका की जाये।</p>


 अधिकारी एवं पदेन
 राजस्व अपील अधिकारी, अलवर